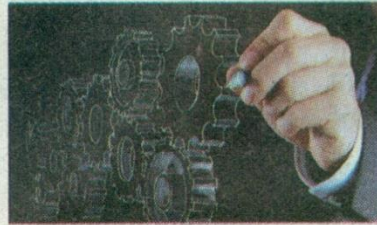


अगले साल 500 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज होंगे बंद

एआईसीटीई की तैयारी जारी, पिछले पांच साल में 30 फीसदी से कम सीटों पर प्रवेश देने वाले संस्थानों पर होगी कार्रवाई

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

अगले साल देशभर के 500 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेज बंद होंगे। इसको लेकर ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) ने तैयारी शुरू कर दी है। एआईसीटीई ने तय



किया है कि जिन इंजीनियरिंग कॉलेजों में 30 प्रतिशत से कम दाखिले हो रहे हैं, उन्हें बंद किया जाएगा। इसमें कॉलेजों के पिछले 5 सालों के आंकड़ों को शामिल किया जाएगा और इसके बाद उन्हें अगले सत्र से बंद किया जाएगा।

47 फीसदी सीटें खाली

देश में 10 हजार 361 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं, जो एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त हैं, इनमें कुल 37,01,366 सीटें हैं। इनमें से करीब 47 फीसदी से अधिक सीटें खाली पड़ी हैं। गौरतलब है कि देशभर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में करीब 27 लाख से ज्यादा सीटें खाली रहती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इंजीनियरिंग संस्थानों को बंद करने का निर्णय लिया है।

पिछले कुछ सालों से हम खराब क्वालिटी और कम डिमांड के कारण इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या घटाने के लिए काम कर रहे हैं। हमने इंजीनियरिंग कॉलेज बंद करने पर पेनल्टी भी काफी घटा दी है, जिससे संबंधित कॉलेज हिचकिचाएं नहीं। अब 30 फीसदी से कम दाखिला देने वाले कॉलेजों पर कार्रवाई होगी और 500 कॉलेज अगले साल बंद कर दिए जाएंगे।

-प्रो. अनिल डी.
सहस्रबुद्धे, चेयरमैन,
एआईसीटीई